TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

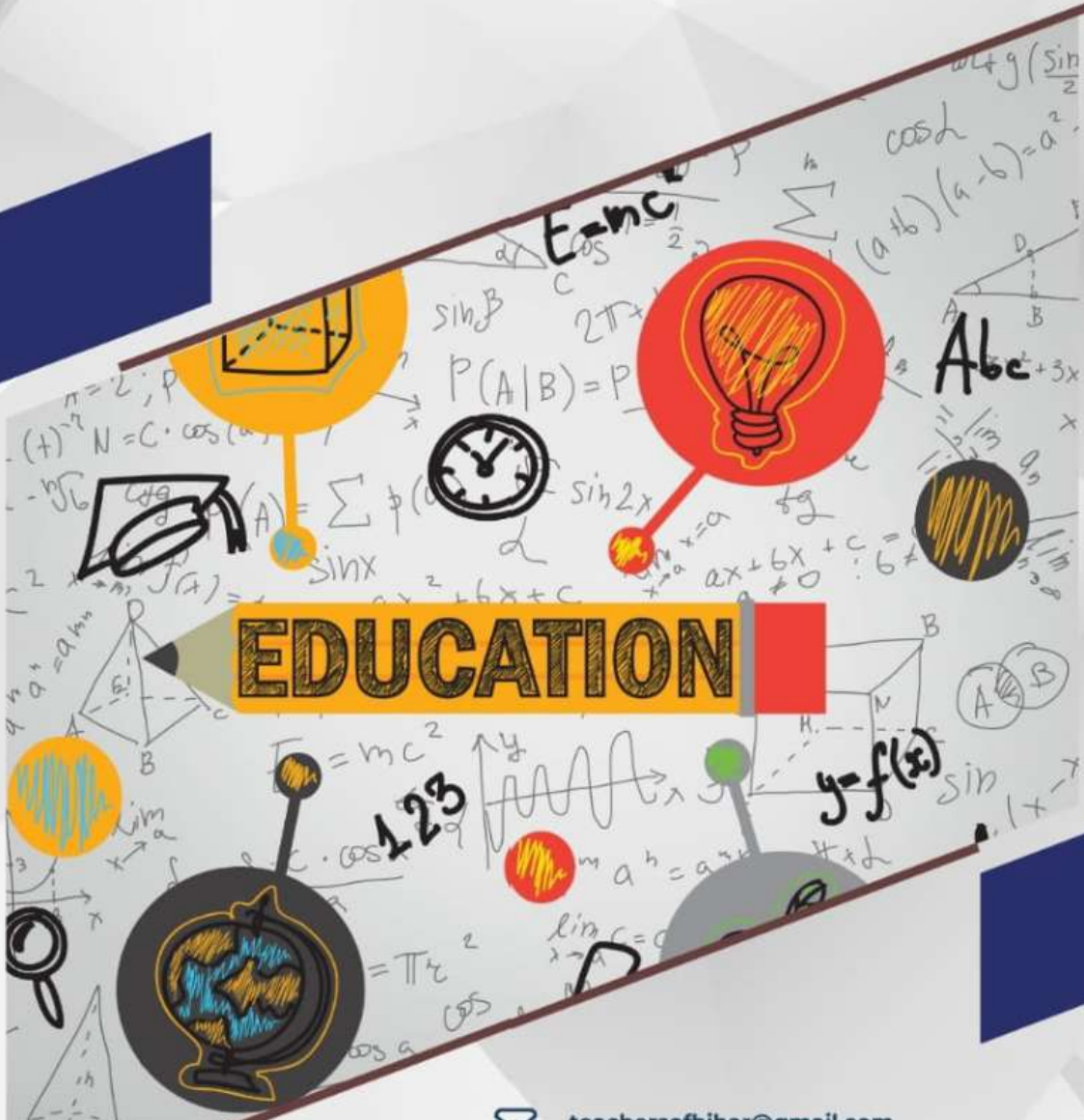

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

16 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जीवन में हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए।

दादा साहब फाल्के

(फिल्म उद्योग के पितामह)

जन्म: 30 अप्रैल 1870 मृत्यु: 16 फरवरी 1944

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

16 फरवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार 16 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो।"

"If you want to shine like the sun, first learn to burn like the sun."

DIWAS GYAN

आज के दिन

1759– मद्रास पर फ्रांस का कब्जा समाप्त।

1914– लॉस एंजिलिस और सैन फ्रांसिस्को के बीच पहले विमान ने उड़ान भरी।

1937– अमेरिका के वैज्ञानिक वालेस कैरोदर्स को नायलॉन का पेटेंट मिला। इसका इस्तेमाल शुरू में टूथब्रश बनाने के लिए किया गया था।

1959– राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो ने फुलगेनसियो बतिस्ता को अपदस्थ करने के बाद क्यूबा की सत्ता संभाली।

1. **मेघनाथ साहा का निधन**– डॉ0 मेघनाथ साहा विख्यात भारतीय वैज्ञानिक थे। इन्होंने गणित तथा भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। इनके ही प्रयत्नों के फलस्वरूप 'इंस्टीच्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स' की स्थापना हुई। डॉ0 मेघनाथ साहा ने तारों के ताप और वर्णक्रम के निकट संबंध के भौतिकीय कारणों को खोज निकाला था। उन्हे विज्ञान में साहा इक्वेशन के लिए याद किया जाता है। उनकी अध्यक्षता में विद्वानों की एक समिति ने भारत के राष्ट्रीय शक पंचांग का भी संशोधन किया, जो 22 मार्च, 1957 से लागू किया गया। उनका निधन 16 फरवरी, 1956 को हुआ था।

2. **दादा साहेब फाल्के का निधन**– दादा साहेब फाल्के का निधन 16 फरवरी, 1944 को हुआ था। उन्हें 'भारतीय फिल्म जगत का पितामह' या 'भारतीय सिनेमा का जन्मदाता' भी कहा जाता है। कहा जाता है। उनका पूरा नाम धुंडिराज गोविन्द फाल्के था। दादासाहब ने 19 साल के लंबे कैरियर में कुल 95 फिल्में और 27 लघु फिल्में बनाई। 1913 में दादा साहेब ने पहली फुल लेंथ फीचर फिल्म बनाई थी।

3. **बीरबल की मृत्यु**– मुगल बादशाह अकबर के दरबारी कवि बीरबल 1586ई. में विद्रोही यूसुफजई के साथ एक लड़ाई में मारे गये थे। बीरबल का मूल नाम महेश दास था। उनके तेज दिमाग के चलते उन्हें बादशाह अकबर ने अपने दरबार के नवरत्नों में शामिल किया था। शाजी जमां की किताब के अनुसार 1586 ई. में अफगानिस्तान के कुछ कबीलों ने मुगलों के खिलाफ आक्रमण कर दिया था। बादशाह अकबर ने जैन खान कोका को इस विद्रोह को दबाने के लिए भेजा। जब उसने और फौज की मांग की तो बादशाह ने बीरबल को मदद के लिए भेजा। फिर एहतियातन उन्होंने पीछे–पीछे हकीम अबुल फतेह को भी भेज दिया। राजा बीरबल को दोनों से नहीं पटती थी। कोका को एक हिंदू राजा के साथ मिलकर लड़ाई करना बिल्कुल गवारा नहीं था और उन्होंने लड़ने से मना कर दिया और रास्ते में ही अपनी सेना छोड़कर चले गये। लेकिन बीरबल ने अपने सैनिकों के साथ चढ़ाई करना जारी रखा। कोका के साथ छोड़ने के बाद उनकी सेना बहुत कमजोर पड़ गयी थी। वैसे तो बीरबल दिमाग के बहुत तेज थे, लेकिन सैन्य अभियानों को डील करने का अनुभव नहीं था। बीरबल अपने 800 सैनिकों के साथ एक सँकरे पहाड़ी रास्ते से जा रहे थे तभी दुश्मन ने पहाड़ी के ऊपर से पत्थरों और गोलों को बरसाना शुरू कर दिया। उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं था। वे और उनके सैनिक वहीं पत्थरों में दबकर मर गये। इस घटना के बाद बादशाह अकबर के आँखों की नींद उड़ गयी। उन्होंने दो दिनों तक खाना–पीना छोड़ दिया।
   - आज बच्चों को बीरबल की बुद्धिमत्ता के कुछ किस्से सुनायें।

4. **बादाम दिवस**– अमेरिका में हर साल 16 फरवरी को राष्ट्रीय बादाम दिवसके रूप में मनाया जाता है। बादाम सबसे अधिक हृदय–स्वस्थ खाद्य पदार्थों में से एक है, जो विटामिन ई, मैग्नीशियम और फाइबर से भरपूर है। यह स्वादिष्ट अखरोट हल्की सर्दियों के साथ गर्म, शुष्क जलवायु में पनपता है। विश्व के 80 प्रतिशत बादाम कैलिफोर्निया (अमेरिका) में उगाये जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि बादाम की खेती सबसे पहले चीन और मध्य एशिया में हुई थी। एशिया और भूमध्य सागर के बीच सिल्क रोड पर यात्रा करते समय, खोजकर्ताओं के माध्यम से पूरे यूरोप में फैलते गए, उनमें से कई स्पेन और इटली में भी फैल गए। बादाम अंततः 1700 के दशक के मध्य में स्पेन से फ्रांसिस्कन पादरियों द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका लाए गए। पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति, आयुर्वेद, बादाम को मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानती है। चिकित्सकों का मानना है कि बादाम याददाश्त और संज्ञानात्मक कार्य को बढ़ाता है। इटली में, चीनी वाले बादाम, जिन्हें 'कॉन्फेटी' के नाम से जाना जाता है, शादी के मेहमानों को दिए जाते हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

16 फरवरी

मधु प्रिया

दादा साहब फाल्के का निधन 16 फरवरी

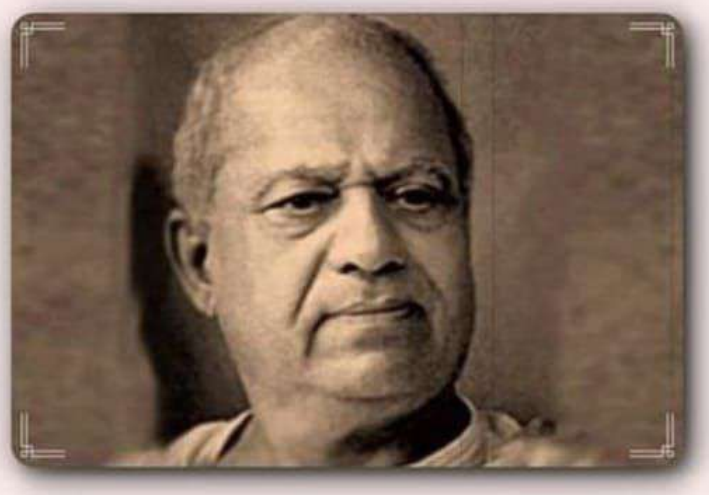

दादा साहब फाल्के को भारतीय सिनेमा के जन्मदाता के रूप में जाना जाता है। भारत में सिनेमा की नींव रखने वाले दादा साहेब की आज पुण्यतिथि है। इनके नाम से आज भी अवॉर्ड दिया जाता है। दादा साहेब फाल्के का असली नाम धुंधिराज गोविन्द फाल्के था। फाल्के का जन्म 30 अप्रैल 1870 को त्रयंबक महाराष्ट्र में हुआ था। उन्होंने 1913 में राजा हरिश्चंद्र नाम की एक फुल लेंथ फीचर फिल्म बनाई। उनका निधन 16 फरवरी 1944 को नासिक में हुआ था। 1944 में आज ही के दिन हिंदी सिनेमा के पितामह कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के का निधन हुआ। उनके सम्मान में दिए जाने वाले दादा साहब फाल्के पुरस्कार को सिनेजगत का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है। दादासाहब के लंबे करियर में कुल 15 फिल्में और 27 लघु फिल्मे बनाईं।राजा हरिश्चंद्र मोहिनी भास्मासुरसत्यवान सावित्री लंका दहन श्री कृष्ण जन्म कलिया मर्दन बुद्धदेव बालाजी निम्बारकर भक्त प्रहलाद भक्त सुदामा रूक्मिणी हरण रुक्मांगदा मोहिनी द्रौपदी वस्त्रहरण हनुमान जन्म नल दमयंती भक्त दामाजी परशुराम कुमारी मिल्ल्चे शुद्धिकरण श्रीकृष्ण शिष्टई
काचा देवयानी चन्द्रहास मालती माधव मालविकाग्निमित्र वसंत सेना बोलती तपेली संत मीराबाई कबीर कमल सेतु बंधन गंगावतरण ,दादा साहब फाल्के द्वारा निर्देशित पहली बोलती फिल्म है।

Teachers of Bihar

The change makers

पुण्यतिथि विशेष 16 फरवरी

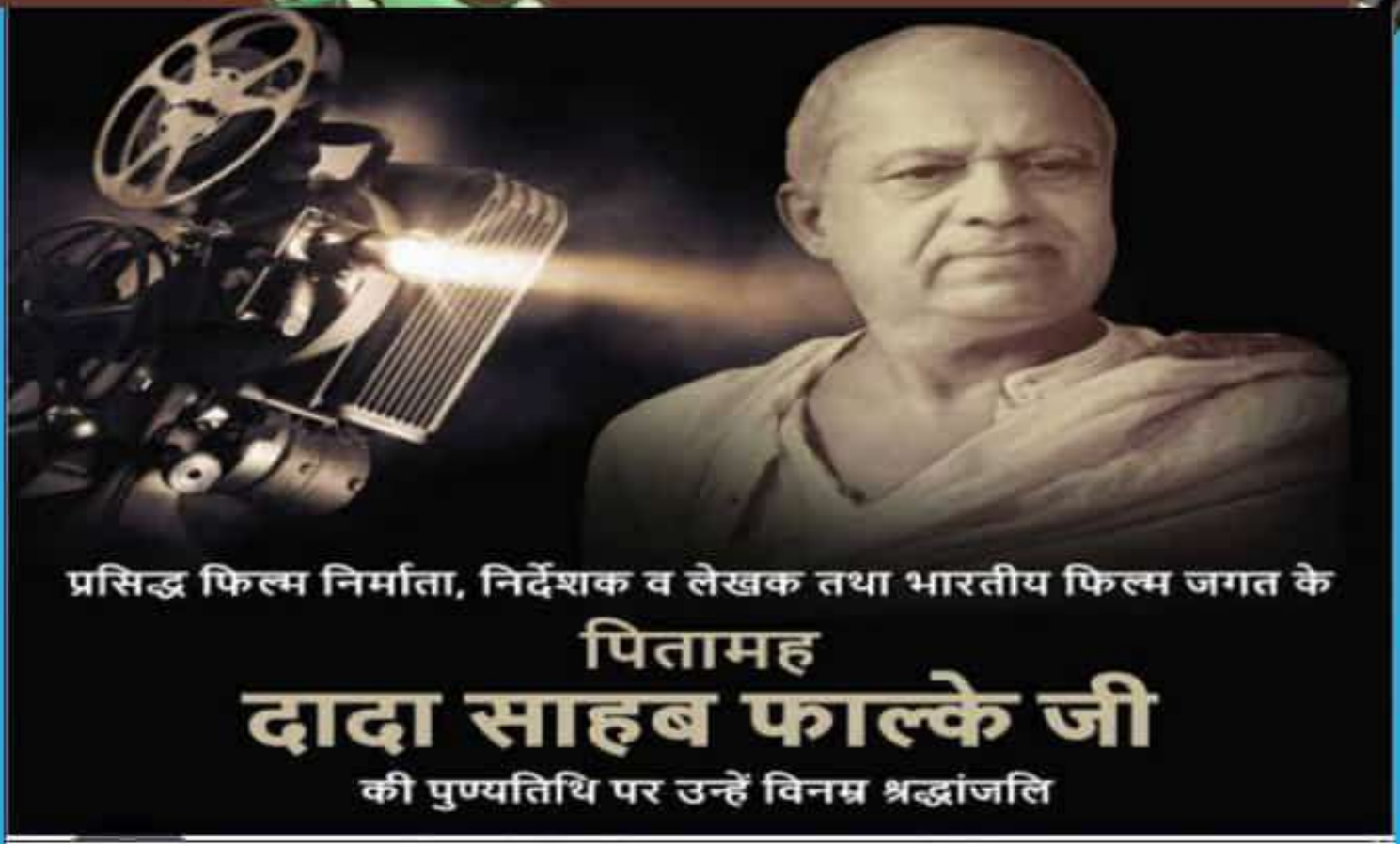

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, निर्देशक व लेखक तथा भारतीय फिल्म जगत के

पितामह

दादा साहब फाल्के जी

की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि

दादा साहब फाल्के : *Dada Saheb Phalke*, जन्म: 30 अप्रैल, 1870; मृत्यु: 16 फ़रवरी, 1944) प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता-निर्देशक एवं पटकथा लेखक थे जो भारतीय सिनेमा के पितामह की तरह माने जाते हैं। दादा साहब फाल्के की सौंवीं जयंती के अवसर पर दादा साहब फाल्के पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1969 में की गई थी। दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार है, जो आजीवन योगदान के लिए भारत की केंद्र सरकार की ओर से दिया जाता है।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 16.02.2025

सृजनात्मक भाषा

जिस भाषा में रचनाएं लिखी जाती हैं, उसे रचनात्मक भाषा कहते हैं. यह साहित्यिक भाषा भी कहलाती है. सृजनात्मक भाषा के ज़रिए गद्य और पद्य रचनाएं की जाती हैं. सृजनात्मक भाषा में रचनात्मकता के गुण होते हैं।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

क्रिप्टन (Krypton)

संकेत (symbol) - **Kr**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -36

समूह (group)-18

आवर्त (period)-4

परमाणु भार (A.weight) -83.798

ब्लाक (block)-p

संयोजकता (valancy)-0

समस्थानिक (isotope)-10

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ar]3d^{10}4s^{2}4p^{6}$

खोज

1898, विलियम रैमसे और मूरीस

भौतिक गुण

रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन, अक्रिय गैस

रासायनिक गुण

रासायनिक रूप से निष्क्रिय

उपयोग

फ्लोरोसेंट लैम्प, फोटोग्राफी, लेज़र

Anu priya

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

पोलैंड में एक अनोखा गांव है जहां के सभी 6000 घर एक ही लंबी सड़क पर बने हुए हैं! यह सड़क 9 किलोमीटर लंबी है।

राकेश कुमार

ToB बूझो तो जानें..

480

आँखें दो हो जाए चार, मेरे बिना कोट बेकार,
घुसा आँखों में मेरा धागा, दर्जी के घर से मैं भागा
....बुझो तो जानें....?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन

(इंटरनेशनल)

प्लेयर	मैच	रन	औसत
विराट कोहली	87	4036	41.18
सचिन तेंदुलकर	69	3990	48.65
एम एस धोनी	83	2999	40.52
राहुल द्रविड़	52	2993	50.72

पुण्यतिथि पर नमन।

भारत के सुप्रसिद्ध
खगोल शास्त्री

मेघनाथ साहा

6 अक्टूबर 1893-16 फरवरी 1956

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

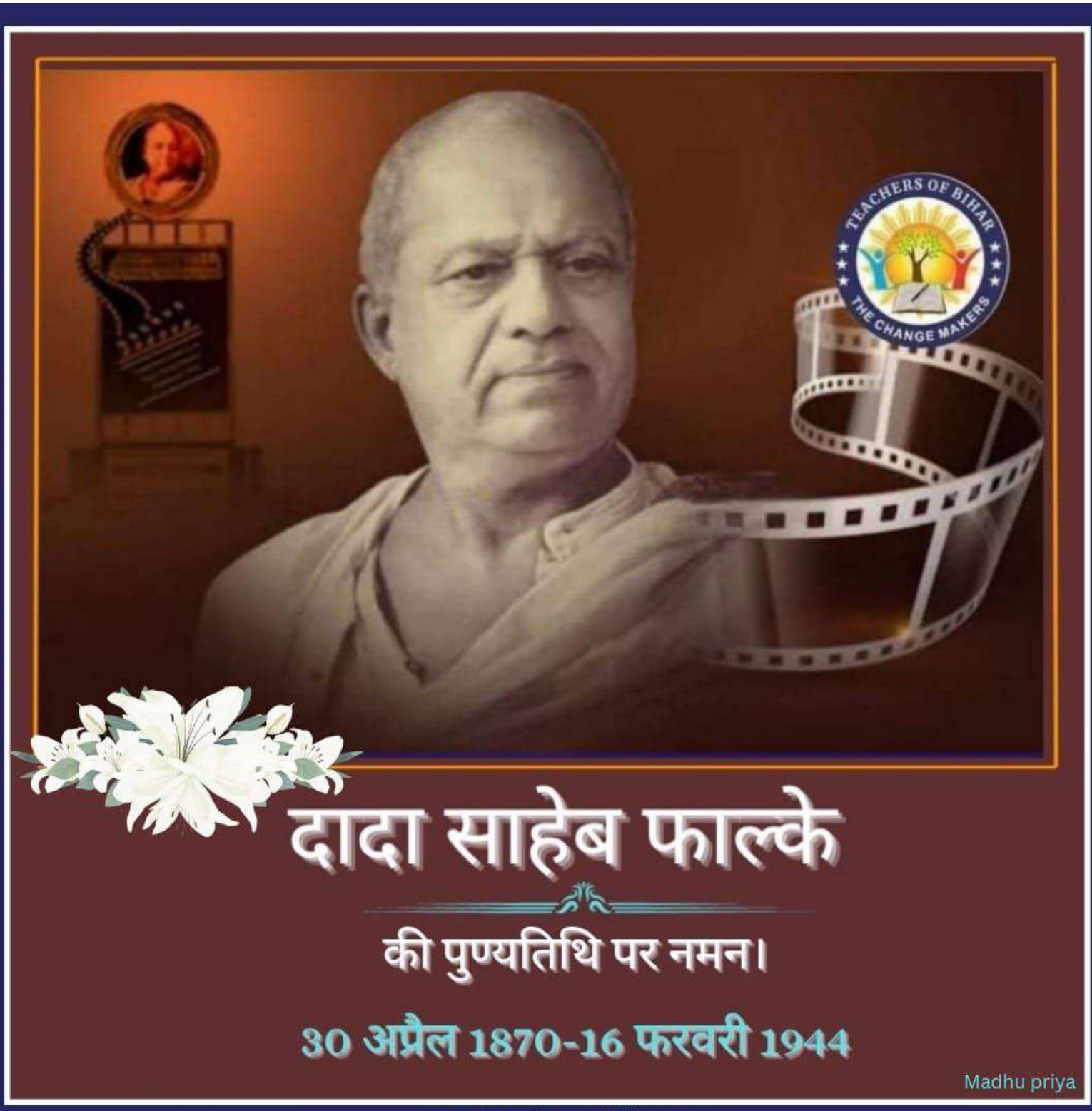
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
दादा साहेब फाल्के
की पुण्यतिथि पर नमन।
30 अप्रैल 1870-16 फरवरी 1944
Madhu priya
www.teachersofbihar.org